शब्दबाणों का प्रहार
मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार
राष्ट्रबाण
सिवनी
संपादक : संजय बघेल

@ PG 2

शुक्रवार 15 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 14 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

असम में 12 घुसपैठिए पकड़े गए

दिसपुर। असम पुलिस और बीएसएफ ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत 12 अवैध घुसपैठियों को राज्य में प्रवेश करने से रोक दिया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घुसपैठियों की तस्वीर जारी की और लिखा- हम अवैध घुसपैठ और जबरन जनसांख्यिकीय बदलाव के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति जारी रखेंगे।

कर्मचारियों और के लिए 2% डीए बढ़ाने का ऐलान

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) 58% से बढ़ाकर 60% करने का ऐलान किया है। यह बढ़ोतरी जनवरी 2026 से लागू होगी।इस फैसले से राज्य सरकार पर हर साल 1,230 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा।

सीएम सुवेंदु अधिकारी के फेक वीडियो पोस्ट करने पर 2 गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के दिन्हाटा से मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों आरोपी कंटेंट क्रिएटर्स हैं। इन्होंने हाल ही में वायरल वीडियो में सीएम के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। इस मामले में दोनों को गिरफ्तार किया गया है।

एयरपोर्ट पर बॉडी में हीरे छिपाकर ले जा रहे दो तस्कर गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार को डीआरआई ने हीरे की तस्करी कर रहे दो यात्रियों को पकड़ा है। उनके पास से 5.70 करोड़ रुपए के हीरे बरामद हुए जिन्हें वे बैंकाक ले जाने की फिराक में थे। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने अपनी बॉडी में हीरे के दो कैप्सूल छिपा रखे थे।

राष्ट्रबाण
अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए
सिर्फ 100 रुपए महीना
संपर्क : 7000427433

मध्यप्रदेश में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 की मौत

25 लोग घायल, शवों के टुकड़े 20–25 फीट दूर गिरे ; यूपी–बिहार के रहने वाले हैं मजदूर

राष्ट्रबाण | देवास| एजेंसी | rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश के देवास जिले के टोंक कलां इलाके में गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ। हादसे में धीरज, सनी और सुमित नाम के 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए हैं। मजदूर उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। ब्लास्ट इतना तेज था कि शवों के टुकड़े 20 से 25 फीट दूर तक जा गिरे। विस्फोट में फैक्ट्री की दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद प्रशासन ने फैक्ट्री को सील कर दिया।

हादसे के बाद सोशल मीडिया पर बीजेपी सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी और फैक्ट्री मालिक अनिल मालवीय की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सोलंकी फैक्ट्री मालिक का मुंह मीठा करा रहे हैं। इस पर सांसद सोलंकी ने कहा- वह मेरे परिचित हैं, लेकिन मेरे कार्यकर्ता नहीं हैं।

सीएम ने उप मुख्यमंत्री को दिए जांच के निर्देश: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना पर दुख जताया। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा समेत वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर जांच के निर्देश दिए। सरकार ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और घायलों के मुफ्त इलाज की घोषणा की।

7 मरीज इंदौर रेफर किए गए
देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने बताया- 12 घायल देवास जिला अस्पताल में भर्ती हैं, जिनकी हालत ठीक है। करीब 6 लोग देवास के अमलतास अस्पताल में भर्ती हैं। इंदौर के अस्पताल में 3 और चोइथराम में 4 घायलों का इलाज चल रहा है।

2 केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दो केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था। इसी दौरान केमिकल की मात्रा सही नहीं मिलने से ब्लास्ट हो गया। लोगों के अनुसार, जहां विस्फोट हुआ वहां 15 से 20 मजदूर काम कर रहे थे। लंच से 15 से 20 मिनट पहले फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ। लोगों ने बताया कि कर्मचारियों का खाना आ चुका था, लेकिन हादसे के बाद लोग खाना छोड़कर जान बचाने के लिए भागे।

आरोप- अवैध फैक्ट्री के खिलाफ पहले कार्रवाई नहीं हुई

घटना के बाद ग्रामीणों ने कमिश्नर का घेराव कर आरोप लगाया कि अवैध फैक्ट्री के खिलाफ पहले कोई कार्रवाई नहीं हुई। फैक्ट्री में करीब 400 से 500 लोग काम करते हैं। पुरुष मजदूरों को 400 रुपए और महिला मजदूरों को 250 रुपए मजदूरी दी जाती थी। भुगतान हर हफ्ते किया जाता था।

होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और जहाज डूबा:ओमान तट के पास हादसा

राष्ट्रबाण | तेल अवीव| एजेंसी | rashtrabaan.in

ईरान जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और मालवाहक जहाज डूब गया। 'हाजी अली' नाम का जहाज 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी उससे कोई ड्रोन या मिसाइल जैसा हथियार टकरा गया। हादसे के बाद जहाज में आग लग गई, हालांकि ओमान कोस्टगार्ड ने सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया।

गुजरात के द्वारका निवासी और जहाज मालिक सुलतान अहमद अंसार ने बताया कि एमएसवी हाजी अली जहाज बेरबेरा पोर्ट से शारजाह जा रहा था। सुबह करीब 3:30 बजे ओमान के समुद्री तट के पास जहाज हादसे का शिकार हो गया। क्रू मेंबर्स ने बताया कि जहाज से किसी विस्फोटक जैसी चीज के टकराने की आवाज सुनाई दी थी। इसके बाद जहाज में आग लग गई। हालात बिगड़ने पर सभी 14 क्रू मेंबर्स ने लाइफ बोट की मदद से जहाज छोड़ा।

इससे पहले 7 मई को होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहा गुजरात के द्वारका का एक और मालवाहक जहाज एमएसवी एएल फैज नूरे सुलेमानी-ए भी अमेरिका और ईरान नेवी के बीच फायररिंग का शिकार हुआ था।

यूनिसेफ- लेबनान में 7.7 लाख बच्चों पर मानसिक तनाव का खतरा

यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि लेबनान में जारी हिंसा और बड़े पैमाने पर विस्थापन की वजह से लाखों बच्चों की मानसिक हालत पर गंभीर असर पड़ रहा है। करीब 7.7 लाख बच्चे लगातार हिंसा, डर और घर छोड़ने की मजबूरी के कारण भारी मानसिक तनाव झेल रहे हैं। यूनिसेफ के मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका क्षेत्रीय निदेशक एडुआर्ड बेइगबेडर ने कहा, 'अगर तुरंत मदद नहीं मिली, तो इस संकट के मानसिक घाव बच्चों के साथ कई साल तक रह सकते हैं। इसका असर सिर्फ उनकी जिंदगी पर नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर भी पड़ेगा।'

होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत के लिए रवाना हुए 2 एलपीजी जहाज

केंद्र सरकार ने कहा है कि भारत के लिए एलपीजी लेकर आ रहे दो जहाज सुरक्षित तरीके से होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुके हैं। पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि दोनों जहाज इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के साथ समन्वय में चलाए जा रहे थे।
न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पहला जहाज मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला एलपीजी कैरियर है, जिसमें करीब 19,965 मीट्रिक टन एलपीजी है। यह 13 मई को होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुका है और 16 मई को कांडला पोर्ट पहुंचने की उम्मीद है।

तेहरान में युद्ध प्रभावित 80% इलाकों की मरम्मत पूरी: ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक राजधानी तेहरान में युद्ध से प्रभावित करीब 80% इलाकों की मरम्मत पूरी हो चुकी है। युद्ध में 60 हजार से ज्यादा रिहायशी इमारतें प्रभावित हुई थीं।
2. होर्मुज संकट से यूरोप में जेट फ्यूल की भारी कमी: आईईए के मुताबिक मार्च में यूरोप को रोज 3.3 लाख बैरल जेट फ्यूल मिल रहा था, जो अप्रैल में घटकर सिर्फ 60 हजार बैरल रह गया।
3. लेबनान में इजराइली हमलों से मौतों का आंकड़ा 2,896 पहुंचा: लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइली हमलों में अब तक 2,896 लोगों की मौत हो चुकी है।
4. अमेरिका आईआरजीसी नेटवर्क की जानकारी पर देगा 15 मिलियन डॉलर: अमेरिकी विदेश विभाग ने ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की फंडिंग और वित्तीय नेटवर्क की जानकारी देने पर 15 मिलियन डॉलर इनाम का ऐलान किया है।

भाजपा बोली- राहुल 22 साल में 54 बार विदेश गए

फंडिंग किसने की ; कांग्रेस ने पीएम के 76 देशों के 96 दौरों की लिस्ट जारी की

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली| एजेंसी | rashtrabaan.in

भाजपा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाया। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा- राहुल गांधी ने पिछले 22 साल में 54 विदेश यात्राएं की हैं। सितंबर 2025 में सीक्रेट यात्राएं भी की हैं।

उन्होंने दावा किया कि हर विदेश दौरे में राहुल के साथ 3-4 लोग भी जाते थे। इन यात्राओं पर कुल खर्च करीब ₹60 करोड़ बैठता है। राहुल के हलफनामे के मुताबिक पिछले 10 साल में उनकी घोषित आय ₹11 करोड़ रही, तो इन यात्राओं का खर्च किसने उठाया, किसने फंडिंग की? राहुल फंडिंग का सोर्स बताएं।

इधर, कांग्रेस ने भी प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 12 साल में 76 देशों के 96 दौरों की लिस्ट जारी की है। कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा- जनता की गाढ़ी कमाई, मौज-मस्ती पर उड़ाई।

वियतनाम यात्रा पर भी सवाल उठाया: इसी साल जनवरी में भाजपा ने दावा किया था कि राहुल वियतनाम दौरे पर गए हैं। आरोप लगाया था कि राहुल वियतनाम में भारत विरोधी लोगों के मेहमान बनकर देश के खिलाफ बोलेंगे। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा था कि राहुल विदेश जाकर भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम करते हैं। उन्होंने कांग्रेस से मांग की कि यह साफ किया जाए कि राहुल गांधी को विदेशों में कौन लोग और किन मकसदों से आमंत्रित करते हैं।

ममता काला कोर्ट पहनकर हाईकोर्ट पहुंचीं

चुनावी हिंसा से जुड़े मामले में पैरवी की ; बाहर निकलीं तो बुआ चोर–भतीजा चोर के नारे लगे

राष्ट्रबाण | कोलकाता| एजेंसी | rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी एक बार फिर काला कोट पहनकर कोर्ट में दलीलें देने पहुंची। ममता गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुजॉय पाल और जस्टिस पार्थसारथी सेन के सामने पेश हुईं। मामला हाल के राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई चुनावी हिंसा से जुड़ी जनहित याचिका का था।

सुनवाई के दौरान ममता ने कोर्ट को बताया कि राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। इसमें बुलडोजर एक्शन भी शामिल है। पुलिस एफआईआर दर्ज करने की परमिशन नहीं दे रही है। उन्होंने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले, आगजनी और हत्याओं के आरोप लगाते हुए कोर्ट से सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की।

इधर, सुनवाई के बाद जब ममता कोर्ट रूम से बाहर निकलीं, तो गलियारों में मौजूद वकीलों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। ये सभी ममता को देखकर बुआ चोर-भतीजे चोर के नारे लगाने लगे।

अखिलेश के भाई प्रतीक को ससुर ने दी मुखाग्नि

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक गुरुवार दोपहर पंचतत्व में विलीन हो गए। लखनऊ में पत्नी अपर्णा के पिता यानी प्रतीक के ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने चिता को मुखाग्नि दी। अखिलेश ने भाई की चिता पर लकड़ी रखी और अंतिम प्रणाम किया। प्रतीक की दोनों बेटियां प्रथमा और पद्मजा भी श्मशान घाट पर मौजूद रहीं। दोनों ने पिता की चिता पर लकड़ी रखी। प्रतीक की छोटी बेटी पद्मजा अपने ताऊ अखिलेश के पास थी। अखिलेश ने उससे बात की और चॉकलेट खिलाई।

वीडी सतीशन केरलम के सीएम होंगे

चुनाव नतीजे के 10 दिन बाद कांग्रेस का ऐलान ; बोले- यह निजी उपलब्धि नहीं, दैवीय कृपा

राष्ट्रबाण | तिरुवनंतपुरम| एजेंसी | rashtrabaan.in

कांग्रेस नेता वी डी सतीशन केरलम के नए सीएम होंगे। कांग्रेस ने राज्य के चुनाव नतीजे घोषित होने के 10 दिन बाद गुरुवार को इसका ऐलान किया। 61 साल के सतीशन पारावूर सीट से विधायक हैं। कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी ने तिरुवनंतपुरम में 7 मई को मीटिंग की थी। पार्टी अध्यक्ष खड़गे, राहुल गांधी से चर्चा के बाद तय किया गया कि केरलम सीएम वीडी सतीशन होंगे।

नाम के ऐलान होने का बाद सतीशन ने कहा- मैं इस पद को निजी उपलब्धि नहीं बल्कि दैवीय कृपा मानता हूं। मैं वेणुगोपाल, रमेश चेन्निथला समेत सभी नेताओं को अपने विश्वास में लूंगा।

सीएम के लिए 3 नेताओं का नाम था, सतीशन चुने गए

मुख्यमंत्री पद की दौड़ में वीडी सतीशन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला का नाम चल रहा था। रिजल्ट के बाद केरलम कांग्रेस अलग-अलग गुटों में बंटी रही। एक धड़ा सतीशन के समर्थन में था, जिन्हें नई पीढ़ी और आक्रामक विपक्षी चेहरा माना जाता है। दूसरा धड़ा वेणुगोपाल और चेन्निथला के पक्ष में था।

19 राज्य–यूटी में एसआईआर का ऐलान, यहां 37 करोड़ वोटर्स

30 मई से 23 दिसंबर के बीच होगा वेरिफिकेशन ; पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल चुनाव

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली| एजेंसी | rashtrabaan.in

चुनाव आयोग ने गुरुवार को हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) की घोषणा की है। यह एसआईआर का तीसरा फेज होगा।

पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन होगा। जिन राज्यों में एसआईआर होगा, उनमें पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। अन्य 13 राज्यों में 2028 और 2029 में चुनाव होंगे।

एसआईआर के पहले और दूसरे फेज में 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के बाद बिहार, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती है। केरल में कांग्रेस गठबंधन और तमिलनाडु में टीवीके ने जीत हासिल की है। असम में स्पेशल रिवीजन हुआ। यहां भी भाजपा सरकार की वापसी हुई।

80किमी की आंधी में उड़ा शख्स, राजस्थान में गर्मी का रेड अलर्ट

उत्तरप्रदेश में आंधी-तूफान, 104 लोगों की मौत

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली| एजेंसी | rashtrabaan.in

देश में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-अयोध्या समेत 30 जिलों में बुधवार को आंधी-तूफान के कारण 104 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुई। यहां 80 किमी की रफ्तार से आंधी चली, बरेली में एक शख्स टिनशेड समेत हवा में उड़ गया। राज्य के बांदा शहर में तापमान 45.4एष्ट रहा। आज 51 जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है।

राजस्थान में भी तेज गर्मी और हीटवेव का असर है। बुधवार को लगातार चौथे दिन राज्य का जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 46.1एष्ट तापमान रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आज आज बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर में तेज गर्मी का रेड अलर्ट है। 13 जिलों में हीटवेव की चेतावनी है। वहीं, मध्य प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में हीटवेव चल रही है, जो 18 मई तक जारी रह सकती है। बुधवार को खजुराहो में तापमान 45.4डिग्री रहा। आज इंदौर, उज्जैन, धार और रतलाम में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में वार्म नाइट का भी अलर्ट है।

इधर, हरियाणा के अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटे में 1.1 डिग्री बढ़ोतरी हुई। राज्य के 5 शहरों में 40डिग्री से ज्यादा रहा, इनमें नारनौल 42.5डिग्री रहा। राज्य में 17 मई से हीटवेव का यलो अलर्ट है। बिहार के पूर्णिया-कटिहार समेत 7 जिलों में आज तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट है।

मध्य प्रदेश: आधे से ज्यादा राज्य हीटवेव की चपेट म

मध्य प्रदेश में रिकॉर्ड गर्मी का दौर शुरू हो गया है। बुधवार को खजुराहो में तापमान 45.4डिग्री रहा। मौसम केंद्र विभाग के मुताबिक अगले 4 दिन तक आधे से ज्यादा राज्य हीटवेव की चपेट में रहेगा। आज इंदौर, उज्जैन, धार और रतलाम में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है।

इन कंपनियों में होती है हर महीने हायरिंग, ऐसे करें अप्लाई

बहुत बार लोगों को जब नौकरी की जरूरत होती है, तब उनके पास जॉब स्वीच करने के बहुत कम ऑप्शन होते हैं। इस आर्टिकल में जानें कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में जहां आप कभी भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

नयी नौकरी ढूंढते वक्त बहुत से लोगों को सही ऑप्शन ना मिलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपनियों में निश्चित समय के लिए हायरिंग होती है, जिसके बाद बहुत से उम्मीदवार सही विकल्प की तलाश करने में परेशानी का सामना करते हैं। हालांकि, क्या आपको यह पता है कि कुछ कंपनियों में सालभर जॉब की वेकेंसी निकलती है? आइए जानते हैं इन कंपनियों के बारे में।

मंटीनेशनल कंपनियों में करें अप्लाई

भारत में ढेर सारी ऐसा मंटीनेशनल कंपनी हैं, जहां हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग हो रही होती है। आपको नौकरी ढूंढने के लिए सबसे पहले मंटीनेशनल कंपनियों की लिस्ट तैयार करनी है। अब इन सभी कंपनियों के जॉब अप्लाई सेक्शन में जाएं और आवेदन दें। किसी भी एमएनसी में काम करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दरअसल ज्यादातर एमएनसी में इंटरव्यू से पहले एक लैंग्वेज टेस्ट लिया जाता है, जिसे क्लियर करना जरूरी होता है।

टाटा ग्रुप में करें अप्लाई

टाटा ग्रुप आज भारत का जाना-माना समूह है। टाटा ग्रुप के हाइरिंग पोर्टल पर भी आपको हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग होते हुए मिलगी। हालांकि, जॉब की लोकेशन भारत के अलग-अलग हिस्सों के लिए हो सकती है। टाटा ग्रुप में आवेदन देने के लिए आपको टाटा ग्रुप की वेबसाइट के करियर पेज पर अप्लाई करना है।

बड़ी कंपनियों को करें टारगेट

सेमसंग, हिटाची आदि जैसी फेमस कपंनियों में भी पूरे साल हाइरिंग चल रही होती है। पद से जुड़ी सारी जानकारी आपको पार्टल के करियर के सेक्शन में मिल जाएगी। करियर सेक्शन में जाकर आप इन पदों के लिए अपना रिज्यूमे और कवर लेटर भेज सकते हैं।

पेटीएम

अगर आप पेटीएम के जॉब सेक्शन में जाएंगे, तो हर वक्त 50 से ज्यादा पदों पर हाइरिंग की जानकारी प्राप्त होगी। आईटी से लेकर एचआर तक से जुड़े पदों पर आवेदन देने के लिए पेटीएम अच्छा ऑप्शन है।
अप्लाई करने के लिए 1 ट्रिक
बहुत बार हम अपना रिज्यूमे ठीक से नहीं बनाते और बिना कवर लेटर के ही जॉब के लिए अप्लाई कर देते हैं। कोशिश करें कि आप कवर लेटर के साथ ही आवेदन करें।

12वीं के बाद बिना नीट एग्जाम दिए बनाएं मेडिकल की इस ब्रांच में अपना करियर

12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, बीएससी नर्सिंग बीएससी बायोटेक्नोलॉजी और वेटरनरी कोर्स किए जा सकते हैं।

वेटरनरी एक शाखा है, जो पशु-पक्षियों की बीमारियों की स्थिति और चोटों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है। वेटरनरी कोर्स में पालतू और जंगली जानवरों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया जाता है। पशु कल्याण के बढ़ते महत्व और पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, ये कोर्स एक आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पशु चिकित्सा कोर्स प्रैक्टिकल अनुभव देते हैं। आज के समय में पशु चिकित्सकों की कमी है। इस कोर्स के माध्यम से आप पशु अस्पतालों, चिड़ियाघरों, प्रयोगशालाओं में नौकरी या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

पशु चिकित्सक की पढ़ाई के लिए 12वीं का है महत्व

इसके लिए छात्रों को 12वीं पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) के साथ पास करना होगा, ताकि वे पसंदीदा यूनिवर्सिटी और कोर्स में प्रवेश ले सकें। भारत में पशु चिकित्सक बनने के इच्छुक छात्रों को नीट-यूजी या एआईपीवीटी की परीक्षा पास करने की जरूरत होती है। 12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं

- बीएससी नर्सिंग
- बीएससी बायोटेक्नोलॉजी
- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- बैचलर ऑफ फार्मेसी
- बीएससी मनोविज्ञान
- बीएससी बायोमेडिकल साइंस
- बीएससी क्लिनिकल रिसर्च
- बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी
- बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस
- पशु चिकित्सा विज्ञान

कोर्स की विविधताएं

इस क्षेत्र में आपके लिए बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बीएससी इन वेटरनरी पैथोलॉजी, बीएससी इन एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, बीएससी एनिमल न्यूट्रिशन, बीएससी इन वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी आदि कोर्स मौजूद हैं। आप वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हेल्थ टेक्नोलॉजी, वेटरनरी फार्मेसी, एनिमल हसबेंडरी में डिप्लोमा और वेटरनरी मेडिसिन, वेटरनरी सर्जरी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर आप शोध करने के इच्छुक हैं, तो पीएचडी इन वेटरनरी साइंस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स के लिए जरूरी ज्ञान अध्ययन के पहले कुछ सालों के दौरान पशु चिकित्सक बनने के लिए जरूरी ज्ञान और सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। अगले चरण में उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा, जिनमें आप सबसे अधिक रुचि रखते हैं। अंत में, आप पशुओं का निरीक्षण और देखभाल करने वाले संगठनों से जुड़ सकते हैं।

रोजगार के अवसर

वेटरनरी कोर्स करने के बाद आप पशु सर्जन, चिड़ियाघर और वन्य जीव पशु चिकित्सा, पशु एनाटॉमिस्ट, वेटरनरी ऑफिसर, पशु रोग विशेषज्ञ, रिसर्चर, पशु चिरौप्रैक्टर, सरकारी और गैर-सरकारी एनिमल हॉस्पिटल से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।
इनके अलावा, पैरामेडिकल क्षेत्र में भी कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें एनईईटी की आवश्यकता नहीं होती। इनमें चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी जैसे कोर्स शामिल हैं। नीट पास किए बिना मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के कुछ और विकल्प ये हैं, फ़्लेबोटोमिस्ट्स (रक्त का नमूना लेने वाले), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ (न्यूट्रीशनिस्ट), फिजिशियन असिस्टेंट। हालांकि, नीट पास किए बिना किए गए इन कोर्सेज में किसी को भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कहा जाएगा।

वेटरनरी कोर्स करने के लिए इन संस्थाओं में ले सकते हैं दाखिला

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान कॉलेज, राजस्थान
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई), बरेली

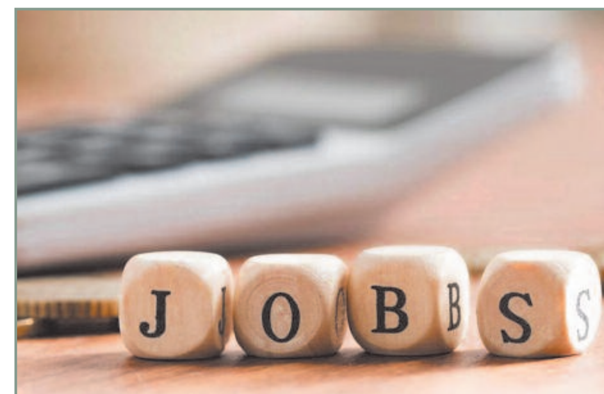

बिना एक्सपीरियंस के भी इन टिप्स की मदद से पा सकते हैं नौकरी

आज के समय में नौकरी पाने के लिए एक्सपीरियंस का होना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है तो भी आप इन टिप्स की मदद से नौकरी पा सकते हैं।

जीवन में सफलता पाने की शुरुआत एक्सपीरियंस के साथ होती है। जब आप कहीं पर नौकरी करते हैं तो आपको काम का एक्सपीरियंस मिलता है। एक बार एक्सपीरियंस मिल जाने के बाद जॉब स्विच करना काफी आसान हो जाता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब आपके पास काम का एक्सपीरियंस ना हो। अक्सर कंपनियां ऐसे लोगों को हायर करने से बचती हैं, जो फ्रेशर हों। दरअसल, फ्रेशर होने के कारण कंपनी सामने वाले व्यक्ति की काबिलियत का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। ऐसे में फ्रेशर के लिए एक अच्छी जॉब पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आपने भी अभी-अभी अपनी पढ़ाई खत्म की हो और अब आप एक अच्छी जॉब की तलाश में हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना एक्सपीरियंस के भी एक अच्छी नौकरी पा सकते हैं-

रिज्यूम को बनाए मजबूत

किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए पहले आपको अपना रिज्यूम देना होता है। इसलिए, सबसे पहला और जरूरी कदम है कि आप अपने रिज्यूम को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश करें। भले ही आपके पास वर्क एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन फिर भी आप उस जॉब के लिए जरूरी स्किल्स को रिज्यूम में मेंशन करें। साथ ही, अगर आपने पढ़ाई के दौरान किसी तरह की वर्कशॉप आदि में भाग लिया है तो उसे भी जरूर लिखें। इस तरह छोटी-छोटी खूबियों को हाइलाइट करने से आपको नौकरी मिलने की चांस काफी अधिक बढ़ जाते हैं।

एंट्री-लेवल जॉब के लिए करें अप्लाई

चूंकि प्रोफेशनल लाइफ में अभी आपकी शुरुआत है तो ऐसे में आपके लिए एकदम से मनचाही जॉब मिलना काफी कठिन है। शुरुआत में आपको एक्सपीरियंस हासिल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एंट्री-लेवल पोस्ट के लिए अप्लाई करें। इस तरह की जॉब्स में कंपनियां पैसा काफी कम देती हैं, लेकिन वे एक फ्रेशर को काम करने का अवसर भी देती है। जब आप एंट्री-लेवल जॉब को हासिल कर लेते हैं तो फिर आपके लिए बेहतर नौकरी पाने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आप ऑनलाइन वेबसाइट की मदद से एंट्री-लेवल जॉब ढूंढ सकते हैं और अप्लाई कर सकते हैं।

सीखना ना छोड़ें

अमूमन यह देखने में आता है कि जब पढ़ाई पूरी हो जाती है, तो लोग नौकरी की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन अगर आप एक बेहतर जॉब की तलाश में हैं तो सीखना कभी भी ना छोड़ें। आप जॉब ढूंढने के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी काम करते रहें। आजकल ऑनलाइन व ऑफलाइन कई शॉर्ट टर्म कोर्स अवेलेबल हैं। आप अपने फील्ड को ध्यान में रखते हुए अन्य स्किल्स को शॉर्प करते रहें। इससे आपका रिज्यूम भी बेहतर बनता है और जॉब मिलना भी अधिक आसान होता है।

नेटवर्क व सोशल मीडिया का सहारा

नेटवर्किंग व सोशल मीडिया के जरिए भी आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी फील्ड के लोगों से जुड़ सकते हैं। साथ ही साथ, अपने काम या स्किल्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट अवश्य करें। इससे लोगों को आपकी काबिलियत का पता चलता है। इतना ही नहीं, आप अपने दोस्तों, परिवार, प्रोफेसरों और अन्य जानकारों की मदद से प्रोफेशनल कनेक्शन मजबूत करें। अक्सर कनेक्शन व नेटवर्किंग की मदद से प्रोफेशनल लाइफ में अपने पैर जमाना काफी आसान हो जाता है।

आईआईटी की ऐसे करें तैयारी जरूर मिलेगी सफलता

हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है।

आज के समय में केवल इंजीनियरिंग और डॉक्टरी ही कॅरियर के केंद्र बिंदु नहीं हैं, बल्कि दूसरे तमाम कॅरियर ऑप्शंस बच्चों के सामने मौजूद हैं। पर इस बात से शायद ही कोई इनकार करेगा कि बावजूद दूसरे ऑप्शंस की उपलब्धता के आज भी इंजीनियरिंग एक शानदार और चमकता कॅरियर माना जाता है। उसमें भी बात जब आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश की हो, तब हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए आपको किस ढंग से तैयारी करनी चाहिए।

आठवीं के तुरंत बाद सजगता आवश्यक

जी हां! भारत भर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है आईआईटी की परीक्षा। ऐसे में अगर आप यह सोचते हैं कि तुरंत ही तैयारी करके आप आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पा लेंगे तो यह दिवा-स्वप्न जैसा साबित हो सकता है, खासकर सामान्य बुद्धि के बच्चों के लिए! सच तो यह है कि ऐसे लोग ही इस परीक्षा में ज्यादा सफल होते हैं जो आठवीं के बाद तुरंत ही सजग हो जाते हैं। वह नहीं तो उनके माता-पिता अपने बच्चों को आईआईटी की गंभीरता से रूबरू करा ही देते हैं। ऐसे बच्चे न केवल अपना नियमित पठन-पाठन वह पूर्णता के साथ करते हैं, बल्कि आईआईटी तैयारी के लिए फाउंडेशन कोर्स उनके लिए मददगार साबित होता है।

सेल्फ स्टडी

आठवीं के बाद 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं का अगर आपने सजगता से अध्ययन कर लिया, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के फंडामेंटल्स क्लियर कर लिए, तो आप यह समझ लें कि पहली बाधा आपने क्रॉस कर ली। इसके साथ अगर आपने फाउंडेशन कोर्स और आईआईटी के प्रश्न पत्रों के पैटर्न को माध्यम बनाकर तैयारी कर ली और उस तरह के प्रश्नों पर पकड़ बना ली तो आप इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा को अवश्य ही क्रैक कर सकते हैं।

रूटीन बना कर पढ़ना

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास करना किसी महायुद्ध से कम मत मानिये। इसके लिए आपको एक एक क्षण का महत्त्व समझना पड़ता है। अगर आप नियमित रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, और खुद को सख्त अनुशासन में नहीं रखते हैं तो आप यह जान लें कि आप लाखों नौजवानों से पीछे रह जाने वाले हैं।

रिवीजन का महत्व

आपने आईआईटी की तैयारी कर ली है तो आप रिवीजन के महत्व को कम मत आंकिये। आप लगातार अपने पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करते रहेंगे तो इससे आप परीक्षा के समय भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ ही अगर आपने अच्छे से रिवीजन किया है तो परीक्षा के दौरान आपको घबराहट महसूस नहीं होगी और प्रत्येक विषय पर आप की पकड़ मजबूत बनती जाएगी। ऐसे में निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास आसमान छू सकता है। कैरियर काउंसलर रिविजन के महत्त्व पर काफी जोर देते हैं।

समयबद्ध, मॉक टेस्ट के अनुसार करें तैयारी

ध्यान रहे अब चाहे जितना भी सिलेबस की तैयारी कर लें, लेकिन अगर बीच-बीच में अपनी तैयारियों की जांच आप नहीं करते हैं तो संभवत: परीक्षा के समय पर आप उलझन में पड़ सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको मॉक टेस्ट का तरीका अपनाना होगा। इसके लिए आप आईआईटी के पिछले साल के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तय समय सीमा में करने का प्रयत्न करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर आप बार-बार इस प्रयास को करते हैं तो आप की पकड़ ना केवल प्रश्नों पर बनेगी बल्कि आप समय का भी प्रबंधन अच्छे से कर पाएंगे और तय समय सीमा में अपने प्रश्न पत्र को साल्व कर पाएंगे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 15 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

विधायक अनुभा की चुप्पी पर सवाल...

क्या 'दागी' प्रतिनिधि का होगा निष्कासन?

क्या अनीस खान को बाहर करेगी कांग्रेस? बालाघाट में चर्चाओं का बाजार गर्म

● जिले के लालबर्रा क्षेत्र के एक गांव की युवती के चरित्र पर अभद्र टिप्पणी करने एवं हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में लालबर्रा क्षेत्र में एक समाज विशेष सहित सर्व हिंदू समाज में आक्रोश बढ़ गया और लालबर्रा क्षेत्र में हर समय विवादों में घिरे रहने वाला घमंडी और अपने आप को विधायक समझने वाला, सोशल मीडिया पर बड़े नेताओं के साथ फोटो डालकर, और जेब में बंदूक रखकर लोगों को डराने धमकाने वाला पांढ़रवानी सरपंच अनीस खान के खिलाफ जन आक्रोश बढ़ गया।

अनीस खान, सरपंच : महिला अपमान, फितरत में मेरी जान?

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

जहां 12 मई मंगलवार को दोपहर से शाम तक लालबर्रा थाना परिसर में हिंदू समाज में भारी नाराजगी, तनाव पूर्ण स्थिति व बवाल खड़ा हो गया। शिकायतकर्ता रानीकुठार पूर्व सरपंच व वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि की शिकायत के आधार पर नहीं, थाना प्रभारी व एसडीओपी ने विनोद ठाकरे को समझाईश देकर व हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले विषय से भटकाकर पुलिस ने अनीस खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जिसे लेकर विनोद ठाकरे सहित अन्य लोग थाना प्रभारी और एसडीओपी के खिलाफ कलेक्टर साहब, एसपी साहब को शिकायत एवं न्यायालय में परिवाद दायर कर सकते हैं। जिससे थाना प्रभारी और एसडीओपी को संतोषप्रद जवाब देना पड़ सकता है।

कांग्रेस करेगी अनीस खान का निष्कासन?

कांग्रेस पार्टी के नेता यूं तो लड़कियों महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की बात करते हैं और देश प्रदेश में कहीं भी युवतियों महिलाओं के साथ कोई भी अत्याचार अन्याय हो तो प्रदेश सरकार व केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए तंज कसते हैं और सत्ताधारी सरकार की ये पुलिस युवतियों महिलाओं की सुरक्षा करने में असफल हो रही है और उन्हें न्याय दिलाने में सरकार नाकाम साबित हो रही है, ऐसी बात कहने से कांग्रेस नेता थकते नहीं है। कांग्रेस पार्टी की छवि को धूमिल करने वाले कांग्रेसी सरपंच अनीस खान को पार्टी से निष्कासन नहीं करते हैं तो क्षेत्र की जनता समझेगी कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं युवतियों के स्वाभिमान सम्मान सुरक्षा की कद्र नहीं करती है और युवतियों महिलाओं की हितैषी नहीं है कांग्रेस पार्टी।

चूंकि जिस समाज विशेष की युवति के चरित्र पर दाग लगाने के आरोप अनीस खान पर लगे हैं, उस समाज के विधायक कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं। यदि कांग्रेस पार्टी युवतियों महिलाओं का सम्मान न करने वाले और उनके चरित्र पर अभद्र अश्लील टिप्पणी करने वाले ऐसे कांग्रेसी सरपंच व्यक्ति का निष्कासन नहीं करती है तो आगामी भविष्य में कांग्रेस पार्टी को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। युवति के चरित्र पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले पर क्षेत्र सहित जिले में चर्चाओं का बाजार गर्म है क्षेत्र की जनता कांग्रेस पार्टी पर अनेक सवाल खड़े कर रही है।

अनीस खान का अपराधों से पुराना नाता

संजय उईके, जिलाध्यक्ष कांग्रेस : महिला सम्मान की बातें करने वाली कांग्रेस अनीस मामले में क्यों है खामोश ?

अनुभा मुंजारे
कांग्रेसी विधायक
अनीस पर कार्रवाई कब?

राजकुमार कावरे, जिलाध्यक्ष भाजपा : कांग्रेसी द्वारा किया गया महिला अपमान में चुप्पी क्यों?

जिला पंचायत विधायक प्रतिनिधि व सरपंच अनीस खान अपने पंचायत क्षेत्र में करवाए गए निर्माण कार्यों की काफी तारीफें करता है और समाचार पत्रों में प्रकाशित भी करवाता है। यदि जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी उनके प्रत्येक निर्माण कार्यों की निष्पक्ष होकर बारीकी से हर बिंदु पर जांच करें तो 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा, कि यह सरपंच कितना ईमानदार है और कितना भ्रष्टाचारी और बेईमान है। सरपंच अनीस खान के खिलाफ कई समाज के लोगों के द्वारा इसके पूर्व में भी शिकायत की गई है। 2018 में भी सरपंच ने रामजीटोला के लोगों को जातिगत रूप से अपमानित किया था और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया था, जिसकी शिकायत भी वहां के लोगों द्वारा उस समय की गई थी। अनीस खान के खिलाफ यह कोई पहली शिकायत नहीं है, इसके खिलाफ कई शिकायत हैं। शिकायत और विवादों से इसका पुराना नाता है।

अनीस बन सकते है विधायक अनुभा के लिए ग्रहण

विधायक प्रतिनिधि पद से नहीं हटाए गए सरपंच अनीस खान तो विधायक अनुभा मुंजारे की छवि हो रही धूमिल। विगत दिनों पूर्व जिला पंचायत कार्यालय में जनप्रतिनिधियों की बैठक में यह प्रस्ताव लिया गया कि विधायक के जिला पंचायत प्रतिनिधि को बैठक में न बुलाया जाए एवं वहां से हटा दिया गया है। लेकिन अब तक विधायक महोदया द्वारा अपने प्रतिनिधि को अपने कार्यालय से पद मुक्त नहीं किया गया है, और एक युवती के चरित्र पर अभद्र टिप्पणी से मामला और गरमा गया है, जिससे क्षेत्र में विधायक के प्रति भी लोगों में भारी नाराजगी व आक्रोश देखने मिल रहा है। कहीं ऐसा न हो कि क्षेत्र की आक्रोशित जनता विधायक के खिलाफ भी नारेबाजी कर प्रदर्शन करने सड़क पर न उतर जाए।

आप सभी को ज्ञात हो कि बालाघाट-लालबर्रा विधायक अनुभा मुंजारे किसी भी भूमि पूजन लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचकर नौ कन्याओं का तिलक वंदन कर पूजन करती हैं और युवतियों महिलाओं का सम्मान सुरक्षा और उन्हें न्याय दिलाने तथा महिला सशक्तिकरण की बात करती हैं और वे स्वयं एक महिला विधायक हैं। तो क्या एक युवति के चरित्र पर उनके ही विधायक प्रतिनिधि सरपंच अनीस खान द्वारा अभद्र टिप्पणी करने पर उनका मन क्यों शांत है? क्या वे ऐसे विधायक प्रतिनिधि को हटाएंगी या बने रहने देंगी, यदि वे विधायक प्रतिनिधि को हटा देंगी तो क्षेत्र की जनता की नजर में उनके प्रति सम्मान और बढ़ जाएगा, और यदि नहीं हटाएंगी तो जनता में उनके प्रति भारी आक्रोश पनपेगा।

विधायक पटेल बोले- नीट पेपर लीक में भाजपा का हाथ

रेत, गेहूं खरीदी और सीएम राइज स्कूल पर भी उठाए सवाल

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के वारासिवनी विधायक विवेक पटेल ने नीट पेपर लीक मामले में भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के भविष्य पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस पूरे मामले में भाजपा का हाथ है। विधायक पटेल अपने कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे।

विधायक पटेल ने बताया कि देश में लगातार नीट के पेपर लीक हो रहे हैं और केंद्र सरकार अपनी जवाबदेही से बच रही है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने पेपर लीक मामले में जिस व्यक्ति को पकड़ा है, वह भाजपा से जुड़ा है, जिससे इस पूरे मामले में भाजपा के लोगों की संलिप्तता स्पष्ट होती है। उन्होंने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

इसके अतिरिक्त, विधायक विवेक पटेल ने कई स्थानीय मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने जिले में रेत का ठेका न होने से आम लोगों को हो रही परेशानियों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि आवास निर्माण से लेकर सरकारी विकास कार्यों तक में रेत की कमी बाधा बन रही है।

किसानों और बच्चों का मुद्दा उठाया

विधायक ने सरकार से इस पर विचार करने या पंचायतों को आवास और विकास कार्यों के लिए रेत निकालने का अधिकार देने का सुझाव दिया। विधायक पटेल ने गेहूं खरीदी में स्लॉट बुक न होने और सीएम राइज स्कूलों में बच्चों को प्रवेश न मिलने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने जानकारी दी कि इन मामलों को लेकर वह मुख्यमंत्री को पत्र लिख रहे हैं।

प्रेसवार्ता के दौरान, विधायक विवेक पटेल ने बिना नाम लिए पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल के नगरपालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठकर जनता दरबार लगाने पर सवाल उठाए। उन्होंने इसे महिला नगरपालिका अध्यक्ष के अधिकारों का हनन बताया। विधायक पटेल ने कहा कि नगर की जनता ने पार्षद चुने हैं और पार्षदों ने अपना अध्यक्ष चुना है, ऐसे में जिसे कोई अधिकार नहीं है, वह अध्यक्ष की कुर्सी पर कैसे बैठ सकता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या नगरपालिका अध्यक्ष समस्याओं का समाधान करने में सक्षम नहीं हैं।

महिलाओं को नपा में नहीं सम्मान

जो किसी पद पर नहीं है उसे अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठने का क्या अधिकार है, यह एक महिला के अधिकार का हनन है। भाजपा सरकार महिलाओं के सम्मान की बात करती है, लेकिन नगरपालिका अध्यक्ष को कोई सम्मान नहीं मिल रहा है। नगर पालिका कौन चला रहा है, यह समझ नहीं आता है, नपा अध्यक्ष आज तक किसी भी वॉर्ड में जनता की समस्या सुनने नहीं पहुंची। जिससे नगर की जनता का अब नगर पालिका के प्रति विश्वास खत्म हो रहा है।

समाज अध्यक्ष ने 5 लाख की शिकायत को बताया झूठा

एसपी कार्यालय पहुंचकर की निष्पक्ष जांच की मांग

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

बालाघाट के कोतवाली पुलिस ने गर्रा निवासी शुभम ठाकरे की ओर से दर्ज कराई गई पांच लाख रुपए मांगने की शिकायत को पंवार समाज के गर्रा अध्यक्ष गणेश चौहान ने झूठा बताया है। उन्होंने ग्राम के सामाजिक लोगों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

शुभम ठाकरे ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि उनसे पांच लाख रुपये मांगे गए थे। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। हालांकि, पंवार समाज अध्यक्ष ने शुभम ठाकुर द्वारा पुलिस को बताई गई आपसी रंजिश की बात को भी नकारा है। गणेश चौहान गुरुवार को ग्रामवासियों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पुलिस पर बिना जांच किए अपराध दर्ज करने का आरोप लगाया। चौहान ने बताया कि शुभम ठाकुर ने दिलीप भैरम द्वारा पांच लाख रुपए मांगने और उसे गणेश ठाकुर को देने की बात पुलिस को बताई है, जो पूरी तरह गलत है।

चौहान के अनुसार, जिस दिन और स्थान पर पांच लाख रुपए लेने की बात कही जा रही है, उस दिन न तो दिलीप भैरम वहां मौजूद थे और न ही वे स्वयं। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने झूठे तथ्यों के आधार पर एफआईआर दर्ज की है।

बाइक में पेट्रोल भर रहे बुजुर्ग को कार ने उड़ाया

बालाघाट। बालाघाट के लांजी इलाके में बुधवार शाम को सड़क हादसा हो गया, जिसमें 55 साल के एक बुजुर्ग की जान चली गई। ढेडवा गांव में एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े बुजुर्ग महेंद्र निकोसे को जोरदार टक्कर मार दी। अस्पताल ले जाने के बाद इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मोहझरी के रहने वाले महेंद्र निकोसे अपनी एक परिचित महिला मीराबाई के साथ ढेडवा गांव में किसी धार्मिक कार्यक्रम में आए थे। शाम को जब वे वापस घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में उनकी बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया। महेंद्र पास की एक दुकान से बोतल में पेट्रोल लेकर आए और अपनी गाड़ी में डाल रहे थे, तभी बालाघाट की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

चार माह के बच्चे को एयर एम्बुलेंस से मुंबई भेजा

दिल में छेद के इलाज के लिए बालाघाट से किया रवाना

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के तिरोड़ी क्षेत्र के देवरीबुजुर्ग निवासी शैलेश मसराम के चार माह के बेटे अयांश का इलाज मुंबई में होगा। बच्चे को दिल में छेद की बीमारी है। यह बीमारी 8 मई को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला अस्पताल के डीईआईसी शिविर में जांच के दौरान सामने आई थी।

एयर एम्बुलेंस से भेजा गया मुंबई

मुंबई के नारायण हृदयालय की शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रिया प्रधान ने जांच के बाद तत्काल ऑपरेशन की जरूरत बताई। गुरुवार को बच्चे को पीएम श्री एयर एम्बुलेंस से मुंबई भेजा गया। पहले उसे जिला अस्पताल से गोंदिया के बिरसी एयरपोर्ट ले जाया गया, जहां से एयर एम्बुलेंस से मुंबई रवाना किया गया।

परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर

बच्चे के पिता ने बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इलाज कराना मुश्किल था। शासन और प्रशासन की मदद से इलाज संभव हो पाया है। पिछले दो दिनों से बच्चा जिला अस्पताल के पीआईसीयू में डॉक्टरों की निगरानी में था। हालत स्थिर होने पर उसे रेफर किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि इलाज के लिए हर संभव मदद दी जाएगी।

खौफ का दूसरा नाम 'गुरु' कानून को रखता है ठेंगे पर!

● खाकी और प्रशासन पर भारी पड़ रहा रेत माफिया ● आखिर कब तक सलाखों के पीछे होगा गुरुदेव पुष्पतोड़े?

मप्र-महाराष्ट्र बॉर्डर पर आतंक का साम्राज्य; अधिकारियों पर हमले से लेकर बलात्कार तक, अपराधों की लंबी फेहरिस्त के बावजूद पुलिस के हाथ खाली

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

जिले के तिरोड़ी थाना अंतर्गत बोनकट्टा क्षेत्र में इन दिनों कानून व्यवस्था पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो गया है। क्षेत्र का लिस्टेड गुंडा और रेत माफिया गुरुदेव पुष्पतोड़े उर्फ गुरु न केवल पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है, बल्कि उसने पूरे प्रशासनिक अमले में अपने नाम का खौफ पैदा कर दिया है। आधा दर्जन से अधिक संगीन मामलों में नामजद यह आरोपी आज भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। चर्चाएं तो यहाँ तक हैं कि उसे पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के किसी रसूखदार नेता का संरक्षण प्राप्त है, जिसके साए में वह कानून की धज्जियां उड़ा रहा है।

गुरुदेव पुष्पतोड़े का इतिहास बताता है कि उसके मन में वर्दी और कानून का कोई सम्मान नहीं है। आरोपी की 'अपराध कुंडली' में सबसे ऊपर आरटीओ विभाग के अधिकारी रहंगडाले पर किया गया प्राणघातक हमला दर्ज है। इतना ही नहीं, जब राजस्व विभाग की टीम बम्हनी (बावनथड़ी) नदी में अवैध रेत उत्खनन रोकने पहुंची, तो इस माफिया ने तहसीलदार और पटवारी जैसे जिम्मेदार अधिकारियों पर भी हमला करने से गुरेज नहीं किया। शर्मनाक बात यह है कि इस दौरान एक महिला अधिकारी के साथ भी मारपीट के आरोप लगे। हालांकि अपने पुराने कर्मों पर कुछ मामलों में वह जेल की हवा खा चुका है, लेकिन बाहर आते ही उसके हौसले और बुलंद हो गए हैं।

गुरुदेव पुष्पतोड़े, माफिया : दो नंबरी काम का जूनून, ठेंगा पर कानून!

आदित्य मिश्रा, पुलिस अधीक्षक : अपराध के बेलगाम घोड़े पर कानून की लगाम लगाओ साहब।

मृणाल मीणा, कलेक्टर : रॉयल्टी चोर पर कब होगी कार्रवाई?

करोड़ों का अवैध रेत कारोबार, राजस्व को चूना, पर विभाग मौन

सूत्र बताते है कि बोनकट्टा, बांभनी और चाकाहेटी क्षेत्र से प्रतिदिन 20 से 25 डंपर अवैध रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस अवैध कारोबार से शासन को करोड़ों रुपये के राजस्व की हानि हो रही है। हैरानी की बात यह है कि माइनिंग और राजस्व विभाग के अधिकारी आज तक मौके पर जाकर अवैध उत्खनन की नपाई करने की हिम्मत नहीं जुटा पाए हैं। क्या माफिया का डर अधिकारियों के सिर चढ़कर बोल रहा है? आखिर क्यों माइनिंग विभाग इस बड़े आर्थिक अपराध पर आंखें मूंदे बैठा है? क्या पूर्व में अधिकारियों पर हुए हमलों के कारण विभाग अब कार्रवाई करने से कतरा रहा है? क्या यह खनन माफिया अब प्रशासन और सरकार से ऊपर हो गया है? सरकार और प्रशासन गुरु के आगे बौना पड़ गया है? यह तमाम सवाल बालाघाट की फिजा में तैर रहे है, जिनके जवाब प्रशासन को देना है।

आतंक की इंतहा, घर में घुसकर मारपीट और बलात्कार का आरोप

गुरुदेव के आतंक का दायरा केवल सरकारी दफ्तरों तक सीमित नहीं है। जनपद अध्यक्ष के घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसने प्रशासन की इकबालियत पर सवाल उठाए थे। मानवीय संवेदनाओं को ताक पर रखते हुए इस अपराधी पर एक महिला को शादी का झांसा देकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और बलात्कार करने का गंभीर मामला भी न्यायालय में विचाराधीन है।

बालाघाट से सिवनी तक गुरु का आपरधिक रिकार्ड

गुरुदेव पुष्पतोड़े के खिलाफ तिरोड़ी (बोनकट्टा), उगली और महाराष्ट्र के गोबरवाही थाने में कई मामले दर्ज हैं। हाल ही में दर्ज हुई रेत चोरी की स्न्ब्क्रके बाद भी वह फरार है। सवाल यह उठता है कि जिस माफिया के पास बंदूकें होने और डराने-धमकाने की खबरें आती हैं, उसे पकड़ने में पुलिस इतनी सुस्त क्यों है? सवाल यह है की क्या पुलिस और राजस्व विभाग को अपनी जान का डर सता रहा है? या फिर किसी बड़े सफेदपोश नेता के दबाव में 'गुरु' को खुली छूट दी गई है? बालाघाट और महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों में गुरुदेव पुष्पतोड़े का बढ़ता प्रभाव यह दर्शाता है कि माफिया तंत्र धीरे-धीरे लोकतंत्र पर हावी हो रहा है। यदि समय रहते इस 'लिस्टेड गुंडे' पर नकेल नहीं कसी गई, तो आने वाले समय में यह क्षेत्र अपराध का गढ़ बन जाएगा। जनता अब जिले के पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा और जिला कलेक्टर मृणाल मीणा से यह उम्मीद लगाए बैठी है कि वे इस माफिया के साम्राज्य को ध्वस्त कर कानून का राज स्थापित करेंगे।

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

गैंगवार' से दहला शहर, सरेराह गला रेतकर उतारा मौत के घाट

खून का बदला खून, थाने परिसर के भीतर भी खूनी संघर्ष की कोशिश!

योगेश अग्रवाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी का गला रेतकर मर्डर; आक्रोशित परिजनों ने घेरा एसपी ऑफिस

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले में कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए 'खून के बदले खून' का एक ऐसा खौफनाक मंजर सामने आया है, जिसने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है। चर्चित योगेश अग्रवाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी अनुराग उर्फ अनु डेहरिया की अज्ञात हमलावरों ने गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। यह वारदात केवल एक हत्या भर नहीं है, बल्कि शहर में पनप रहे अपराधी गुटों के बीच वर्चस्व और बदले की आग का परिणाम माना जा रही है। घटना के बाद से ही पूरे जिले में सनसनी का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, अनुराग डेहरिया जो कि योगेश अग्रवाल हत्याकांड में नामजद आरोपी था, बदमाशों के निशाने पर था। घात लगाकर बैठे हमलावरों ने अनुराग पर चाकू से हमला किया और उसका गला रेत दिया। लहूलुहान हालत में अनुराग की मौके पर ही मौत हो गई। इस निर्मम हत्या की खबर आग की तरह शहर में फैली, जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत नाकेबंदी की और संदेह के आधार पर 3 आरोपियों को हिरासत में लिया है।

एसपी का आश्वासन, बख्शे नहीं जाएंगे दोषी

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सिवनी पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने आक्रोशित परिजनों से मुलाकात की और उन्हें निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। एसपी ने कहा पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और हिरासत में लिए गए संदेहियों से कड़ी पूछताछ जारी है। कानून हाथ में लेने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जल्द ही इस पूरी साजिश का पर्दाफाश किया जाएगा।

थाने परिसर में खूनी खेल की नाकाम कोशिश!

● अनुराग डेहरिया, मृतक।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब सूत्रों के हवाले से यह खबर मिली कि पुलिस अभिरक्षा में भी हमलावरों ने घुसने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि जिन संदिग्धों को पूछताछ के लिए थाने लाया गया था, उन पर कुछ बाहरी लोगों ने थाना परिसर के भीतर ही चाकू से हमला करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी ने साहस और सतर्कता दिखाई, जिससे एक और बड़ी वारदात टल गई। इस घटना ने यह साफ कर दिया है कि हमलावरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें अब वर्दी का खौफ भी नहीं रहा।

अनुराग डेहरिया

सतीश तिवारी, थाना प्रभारी

कृष्ण लालचंदानी, एसपी

पुलिस की साख पर सवाल, एसपी ऑफिस में भारी हंगामा

अनुराग की हत्या के बाद मृतक के परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। परिजनों ने कोतवाली पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए सीधे एसपी कार्यालय का रुख किया, वहां जमकर हंगामा हुआ। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की लापरवाही के कारण ही यह वारदात हुई है। आक्रोशित भीड़ ने कोतवाली टीआई (थाना प्रभारी) को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की। परिजनों कहा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई जाये।

मृतक अनुराग डेहरिया का है पुराना आपराधिक रिकार्ड

जानकारों की माने तो मृतक अनुराग डेहरिया का पुराना आपराधिक रिकार्ड है। इसके पूर्व में योगेश की हत्या के मामले में अनुराग डेहरिया मुख्य आरोपी था। यह विवाद सट्टा कारोबार की वसूली की वजह मानी जा रही है। बता दें की बारापत्थर क्षेत्र में सट्टा कारोबार में कब्ज़ा को लेकर गैंगवार हुआ था। जिसमे अनुराग डेहरिया और उसके साथी इस कारोबार में हिस्सेदारी की अड़ीबाजी कर रहे थे।

टीआई बोले हमें हमारा कर्तव्य मालूम है

इस घटनाक्रम में मृतक के परिजनों ने सिवनी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। लेकिन सिवनी कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी ने आरोपों को सिरे से ख़ारिज करते हुए कहा पुलिस पर वही आरोप लगा रहे है जो पहले पुलिसिया कार्रवाई के शिकार हुए है। हमें कानून व्यवस्था बनाने के लिए अपरधियों पर कार्रवाई करना होता है और वह हमने निष्पक्षता से किया है। हमें हमारा कर्तव्य ज्ञात है हम सभी पहलुओं पर जाँच कर दोषियों को उनके अंजाम तक पहुंचाएंगे। थाना परिसर में विवाद करने वालो की पहचान कर पुलिस उन पर भी कार्रवाई करेगी।

दहशत में शहर, आखिर कब थमेगा अपराध का सिलसिला?

योगेश अग्रवाल हत्याकांड से शुरू हुआ यह खूनी सफर अब अनुराग की हत्या तक पहुँच गया है। शहर के प्रबुद्ध नागरिकों का मानना है कि यदि पुलिस ने शुरुआत में ही सख्त रुख अपनाया होता, तो शायद आज यह नौबत नहीं आती। अब सवाल यह है कि क्या पुलिस इन संदिग्धों के पीछे छिपे असली चेहरों को बेनकाब कर पाएगी? क्या सिवनी की सड़कों पर शुरू हुआ यह गैंगवार अब थमेगा?

जांच के बिंदु जो खड़े कर रहे सवाल

- क्या अनुराग की हत्या की साजिश जेल के भीतर या बाहर पहले ही रची जा चुकी थी?
- थाने परिसर के भीतर हमले की कोशिश करने वाले लोग कौन थे और उन्हें थाना परिसर में हमला करने की हिम्मत कहाँ से मिली?
- क्या यह केवल आपसी रंजिश है या इसके पीछे कोई बड़ा आपराधिक सिंडिकेट काम कर रहा है?

मिलावटखोरों पर कलेक्टर का हंटर

क्षेत्र में हड़कंप, एक्सपायरी माल जब्त!

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

अगर आप बाहर का खाना खाने के शौकीन हैं या बाज़ार से किराना सामान खरीदते हैं, तो सावधान हो जाइए! आपकी थाली में ज़हर परोसने वालों की अब खैर नहीं। जिला कलेक्टर के कड़े तेवरों के बाद जिले का खाद्य सुरक्षा विभाग फुल एक्शन मोड में आ गया है। प्रशासन की इस सर्जिकल स्ट्राइक से मिलावटखोरों और लापरवाह दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है।

प्रशासन की टीम ने जिले के चप्पे-चप्पे पर दबिश दी। घंसौर के ग्राम शिकारा में यादव होटल की जलेबी, दूध और सेव के नमूने लिए गए, तो धरमक किराना के खड़ा गरम मसाला की शुद्धता भी अब लैब की कसौटी पर कसी जाएगी। ग्राम दिवारी में भी अनुज किराना पर टीम ने धावा बोला और पोहा, मूंगफली एवं राई दाल के सैंपल ज़ब्त किए।

गंदगी और एक्सपायरी माल पर गिरी गाज

कार्रवाई सिर्फ सैंपलिंग तक सीमित नहीं रही। मनोज किराना और शिव होटल में जब टीम पहुँची, तो वहाँ भारी खामियाँ मिलीं। प्रशासन ने रहम न दिखाते हुए 1 हजार रुपये की एक्सपायरी डेट वाली खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट करवा दिया और सख्त लहजे में सुधार सूचना पत्र थमा दिया।

आइसक्रीम और डेयरी प्रोडक्ट्स भी रडार पर

भीषण गर्मी में ठंडी चीज़ों के नाम पर परोसे जा रहे केमिकल की जाँच के लिए 13 मई को चलित खाद्य प्रयोगशाला सड़कों पर उतरी। जैन आइसक्रीम से आइसक्रीम पाउडर, मैंगो कैंडी और चॉकलेट पेस्ट के नमूने लिए गए। वही महावीर आइसक्रीम (नगर पालिका व मिशन स्कूल) से लस्सी, बादाम शेक और काजू शेक की गुणवत्ता की जाँच की गई और नयन डेयरी से पनीर और छाछ के सैंपल उठाए गए।

प्रशासन की सख्त चेतावनी

बरघाट के आशुतोष रेस्टोरेंट, श्रावणी मार्केटिंग और ओम किराना जैसे कई बड़े प्रतिष्ठानों पर भी विभाग की पैनी नज़र रही। फल विक्रेताओं को भी हिदायत दी गई है कि अगर फल सड़े-गले या गंदगी में मिले, तो दुकान बढ़ानी पड़ जाएगी।

> जनता की सेहत से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। यह कार्रवाई केवल शुरुआत है, शुद्धता सुनिश्चित होने तक यह अभियान जारी रहेगा।
>
> – **सोनू तिवारी**, जिला खाद्य निरीक्षक

सिवनी में अचानक झमाझम बारिश

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले में गुरुवार शाम अचानक मौसम बदल गया। तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई, जिसने शहर और आसपास के क्षेत्रों को भिगो दिया। शाम करीब 5:30 बजे शुरू हुई इस बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली, जिससे तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहाना हो गया।

दिनभर की तेज धूप और गर्म हवाओं के बाद शाम को आसमान में काले बादल छा गए और गर्जना के साथ बारिश हुई। तेज हवाओं से कई स्थानों पर पेड़ों की डालियां टूटकर सड़कों पर गिरीं, हालांकि किसी जनहानि की सूचना नहीं है। बाजार में अचानक बारिश से लोग दुकानों और शेड के नीचे शरण लेते दिखे। मौसम विभाग ने आगामी एक-दो दिनों तक जिले में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। इस मौसमी बदलाव से आम नागरिकों को राहत मिली है, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ गई है। समर्थन मूल्य पर खरीदे गए गेहूं के भंडारण को लेकर प्रशासन और किसानों के सामने चुनौती खड़ी हो गई है।

जिले के कई उपार्जन केंद्रों में गेहूं अभी भी खुले में रखा है। पर्याप्त तिरपाल और सुरक्षित भंडारण व्यवस्था न होने के कारण बारिश में अनाज भीगने का खतरा है। पूर्व में हुई बारिश में भी कई केंद्रों पर गेहूं भीगने की शिकायतें मिली थीं।

लापरवाह अधिकारियों में हड़कंप!

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने मंगलवार को लखनादौन क्षेत्र के मकझिर और मोहगांव स्थित वेयरहाउसों में चल रहे गेहूं उपार्जन केंद्रों पर अचानक धावा बोलकर पूरे सिस्टम को हिला कर रख दिया। बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंचे प्रभारी कलेक्टर ने जब व्यवस्थाओं का पोस्टमार्टम शुरू किया, तो केंद्र प्रभारियों के पसीने छूट गए। प्रभारी कलेक्टर ने केवल कागजों तक सीमित न रहकर सीधे तौल कांटे, बारदानों की स्टॉक और परिवहन की कछुआ चाल की गहराई से पड़ताल की। उन्होंने अधिकारियों को कड़क शब्दों में चेतावनी दी कि उपार्जन के नाम पर किसानों के साथ कोई भी खेल या टालमटोल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अन्नदाताओं से सीधे रूबरू होते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता पत्थर की लकीर होनी चाहिए और खरीदे गए अनाज का उठाव युद्ध स्तर पर किया जाए।

ट्रॉला-स्कूटी की भिड़ंत, महिला पर चढ़ा पहिया मौत

सिवनी। सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक सड़क हादसे में एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मटियाटोला निवासी अनुसुईया उईके भाई नंदकिशोर पंद्रे के साथ नागपुर में मजदूरी करती थी।

सिवनी के घंसौर में गहराया जल संकट

ग्रामीण पीने के पानी के लिए भटकने को मजबूर

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले के आदिवासी बहुल घंसौर विकासखंड और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भीषण जल संकट गहरा गया है। पीने के पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। खराब पड़े हैंडपंप और अनियमित जलापूर्ति के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

स्थानीय निवासियों, जिनमें अजय सेन और राकेश श्रीवास्तव शामिल हैं, ने बताया कि जिले की सबसे बड़ी पंचायत घंसौर में सप्ताह में केवल एक दिन पानी की आपूर्ति होती है। यह आपूर्ति भी मात्र 15 मिनट से आधे घंटे तक सीमित रहती है, जिससे पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। अनियमित जलापूर्ति के कारण ग्रामीणों को पानी संग्रहित करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है।

मोटर देने का प्रावधान

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के खंड लखनादौन के सहायक यंत्री हर्षित बेस ने इस संबंध में बताया कि जो हैंडपंप जलस्तर कम होने के कारण खराब हैं। उनके लिए मोटर देने का प्रावधान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सुधार योग्य हैंडपंपों का सुधार कार्य जारी है और जहां समस्या है, वहां वे दिखवाएंगे।

नगर और ग्रामीण क्षेत्र में स्थिति खराब

ग्रामीणों के अनुसार, घंसौर नगर सहित आसपास के कई गांवों में हैंडपंप खराब हो चुके हैं। अकेले घंसौर क्षेत्र में ही आधा दर्जन से अधिक हैंडपंप लंबे समय से बंद पड़े हैं और उनकी मरम्मत नहीं कराई गई है। इसके चलते लोगों को निजी साधनों या दूर स्थित जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। जल संकट का असर धनवाही, सालीवाड़ा, सारसडोल, गंगपुर और ग्वारी जैसे कई गांवों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ग्रामीण महिलाएं और बच्चे सुबह से ही पानी की व्यवस्था में जुट जाते हैं। कई स्थानों पर लोगों को बर्तन और डिब्बे लेकर पानी के लिए कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द खराब हैंडपंपों की मरम्मत कराने और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि गर्मी बढ़ने के साथ यह समस्या और गंभीर होती जा रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

डिजिटल इंडिया का डिब्बा गुल

सर्वर के भरोसे सांसें ले रही सरकार, जनता हो रही लाचार!

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

एक तरफ दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डिजिटल इंडिया का बिगुल फूंकते हैं, तो दूसरी तरफ मध्यप्रदेश की जमीनी हकीकत इस दावों की धज्जियाँ उड़ा रही है। सूबे में राजस्व मामला प्रबंधन प्रणाली का सर्वर इन दिनों अक्सर कोमा में चला गया है। आलम यह है कि आम जनता दफ्तरों के चक्कर काट-काट कर अपनी चप्पलें घिस रही है, और सर्वर है कि टस से मस नहीं हो रहा।

अगर सरकार जल्द ही इस डिजिटल लकवे का इलाज नहीं करती, तो जनता का इस कागजी डिजिटल क्रांति से भरोसा पूरी तरह उठ जाएगा। सिवनी की सड़कों पर अब चर्चा है कि साहब, डिजिटल इंडिया की बात तो ठीक है, पर पहले हमारा सर्वर तो ठीक कर दो!

आक्रोशित आवेदक का कहना है कि डिजिटल इंडिया का सपना दिखाना तो आसान है, लेकिन जब एक छोटे से आवेदन के लिए सर्वर घंटों रेंगता है, तो लगता है कि हम पत्थर युग की ओर वापस जा रहे हैं।

सर्वर या सफेद हाथी?

मध्यप्रदेश के अन्य जिलों की तरह सिवनी में भी हाहाकार मचा हुआ है। तहसील कार्यालयों और लोक सेवा केंद्रों पर सुबह से शाम तक ग्रामीणों का मेला लगा रहता है, लेकिन कंप्यूटर स्क्रीन पर घूमता हुआ गोल चक्का (बफरिंग) लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

अधिकारी भी बेबस, जनता में आक्रोश: मजे की बात तो यह है कि इस डिजिटल कबाड़ से सिर्फ जनता ही नहीं, बल्कि अधिकारी और कर्मचारी भी खून के आंसू रो रहे हैं। ऊपर से काम निपटाने का दबाव है और नीचे सिस्टम साथ नहीं दे रहा। एक राजस्व अधिकारी ने दबी जुबान में कहा कि साहब हम तो काम करना चाहते हैं, पर यह आर.सी.एम.एच. का सर्वर हमें विलेन बना देता है।

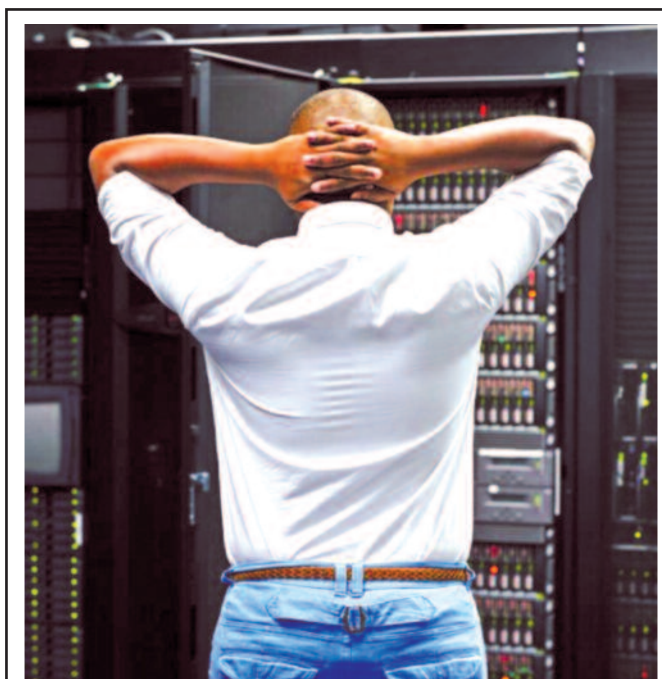

मुख्य बिंदु जो व्यवस्था पर सवाल उठाते हैं,

- **लाखों का बजट कहाँ गया?** जब सर्वर को मेंटेन ही नहीं करना था, तो करोड़ों रुपये डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर क्यों फूंके गए?
- **जनता का समय और पैसा** : दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोगों का किराया और दिहाड़ी दोनों बर्बाद हो रहे हैं।
- **सिस्टम का मजाक** : आवेदन की तारीखें निकल रही हैं, लेकिन सर्वर के नखरे खत्म होने का नाम नहीं ले रहे।

पूंजीपतियों का डिजिटल तमाशा?

ग्रामीण इलाकों में चर्चा है कि क्या यह डिजिटल इंडिया केवल बड़े शहरों और कॉरपोरेट दफ्तरों के लिए है? सिवनी जैसे आदिवासी बहुल जिले में जहाँ पहले से ही नेटवर्क की समस्या है, वहां सरकारी पोर्टल का इस कदर बैठ जाना प्रशासन की नाकामी पर मुहर लगाता है।

ये परेशानी आ रही सामने

-आवेदन पेंडिंग : जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और नामांतरण जैसे जरूरी काम हफ्तों से लटके हैं।

-किसानों की शामत : पट्टा और खसरा-खतौनी के लिए किसान अपनी खेती-बाड़ी छोड़कर शहर आते हैं, लेकिन शाम को सर्वर डाउन का बहाना लेकर खाली हाथ लौट जाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433